भारत में औपनिवेशिक साम्राज्य का विस्तार

1757 ⇒ प्लासी का युद्ध

बंगाल का नया नवाब ⇒ मीर जाफर — हटा देते

⇓

मीर कासिम ⇐ दामाद

⇓

नया नवाब बना दिया

1764 बक्सर का युद्ध

निर्णायक युद्ध

इ.इ.क. v/s

- बंगाल का नवाब :- मीर कासिम
- अवध का नवाब => शुजाउद्दौला
- मुगल बादशाह => शाह आलम II

इ.इ.क. => जीत

मुगल बादशाह ... => हार

संधि => इलाहबाद की संधि => 12 Aug 1765

* अंग्रेजो व मराठो के मध्य संघर्ष

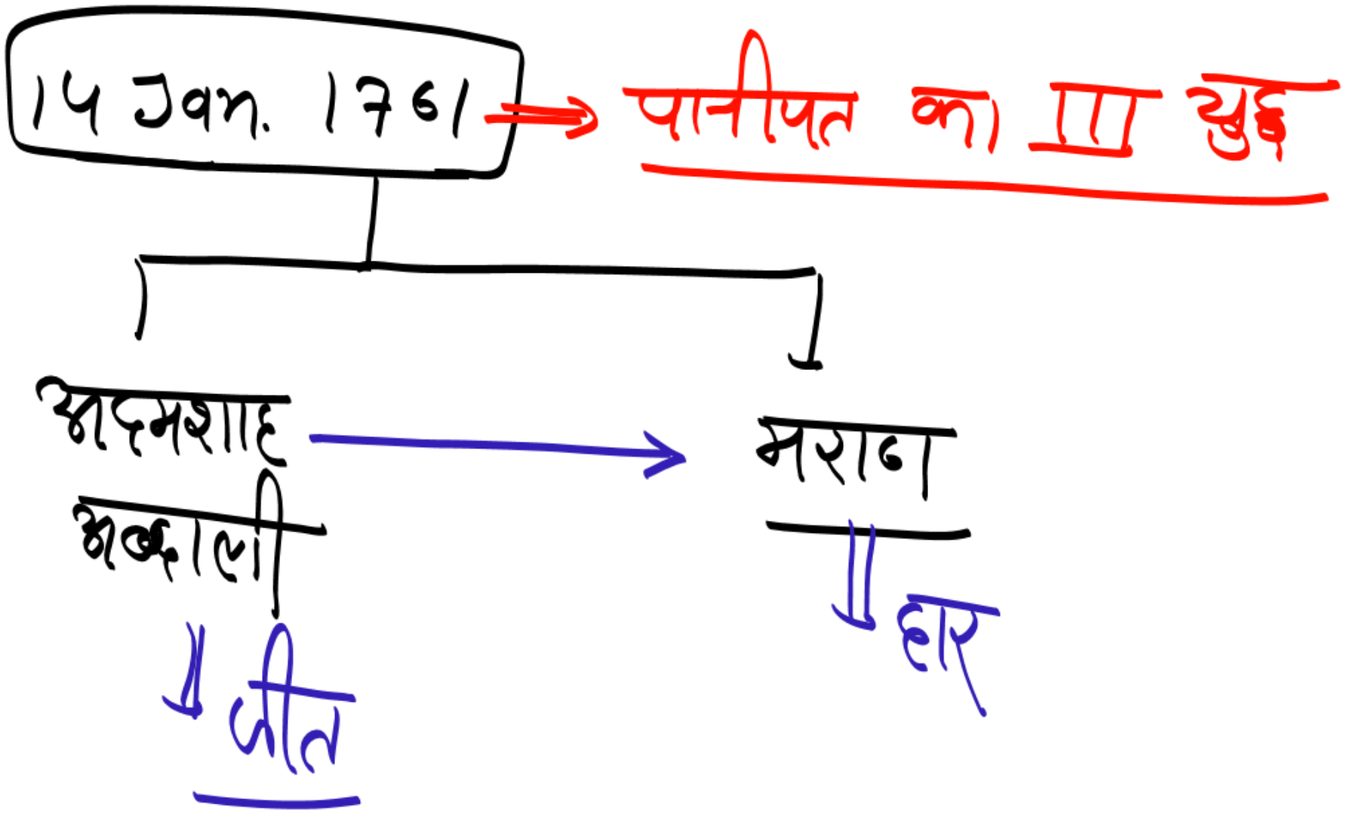

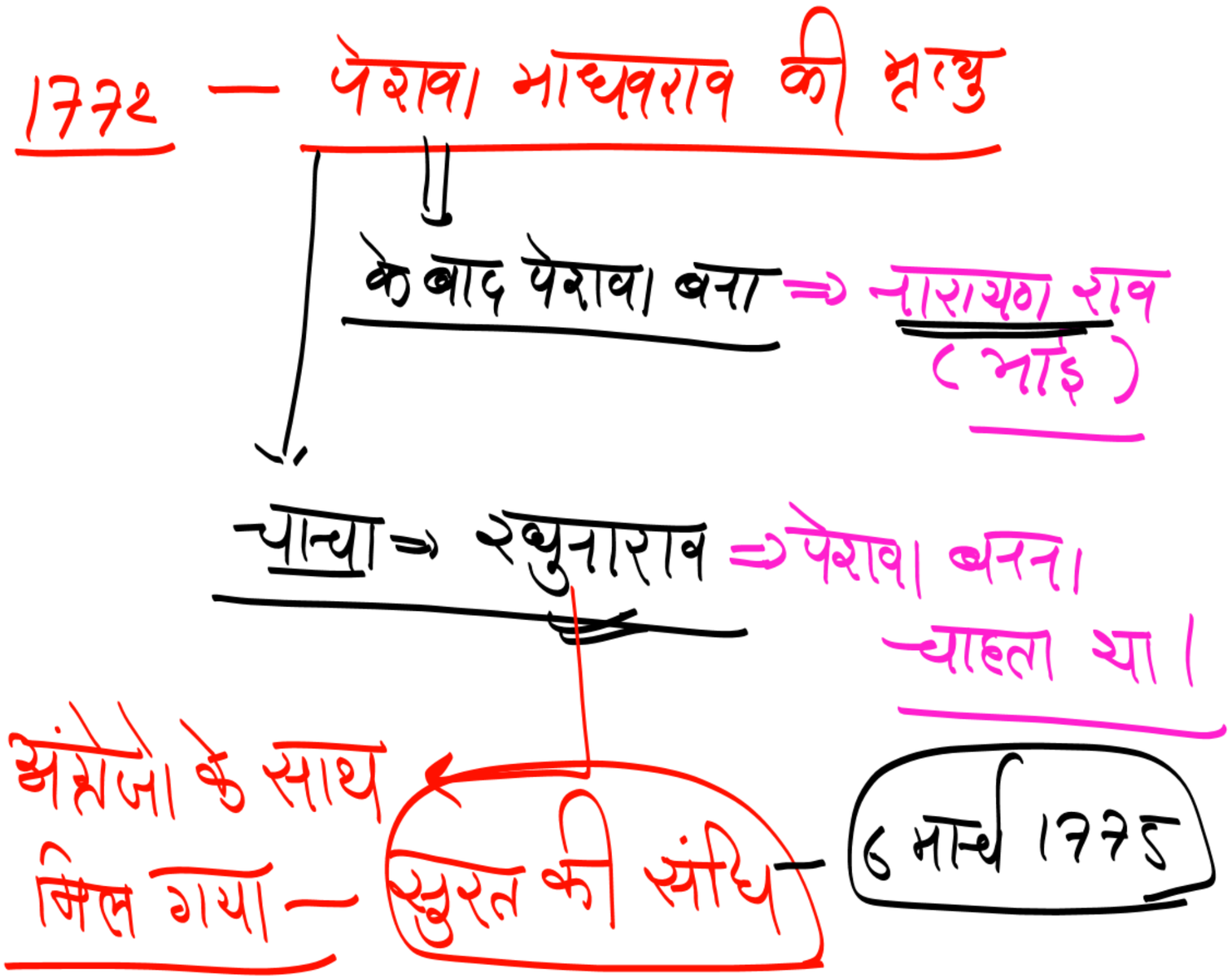
1772 — पेशवा माधवराव की मृत्यु
के बाद पेशवा बना ⇒ नारायण राव (भाई)
चाचा ⇒ रघुनाराव ⇒ पेशवा बनना चाहता था।
अंग्रेजो के साथ मिल गया — सूरत की संधि — 6 मार्च 1775

⇒ बेसिन, सालसेट व सुरत की जागीर प्रदान करना

⇒ रघुनाथ राव को पेशवा बनाने में मदद करेंगे।

① प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध (1775- 1782)

मराठा — जीत

अंग्रेज — हार

1779

⇒ बड़गाँव की संधि

⇒ अंग्रेजों द्वारा जीते गए क्षेत्र पुनः मराठों को मिल गए

⇒ रघुनाथ राव को मराठों को सौंपा गया ③ युद्ध के हर्जाने के रूप में 41000 रु दिए।

दूसरा आंग्ल-मराठा युद्ध (1802-1805)

लॉर्ड वेलेजली ⇒

सुर्जी अर्जुन गाँव की संधि 1803

× सिंधिया - ग्वालियर - लासवाड़ी के युद्ध में हरा दिया

× भौंसले - द. भारत - 1803 भौंसले को हरा दिया

⇓ 17 दिस. 1803 - देवगाँव की संधि

होल्कर => अंग्रेजो

- 1806 - राजपुरघाट की संधि

IMP तृतीय आंग्ल - मराठा युद्ध

→ निर्णायक युद्ध

(1817 - 1818)

अंग्रेजों की जीत

पेशवा का पद समाप्त

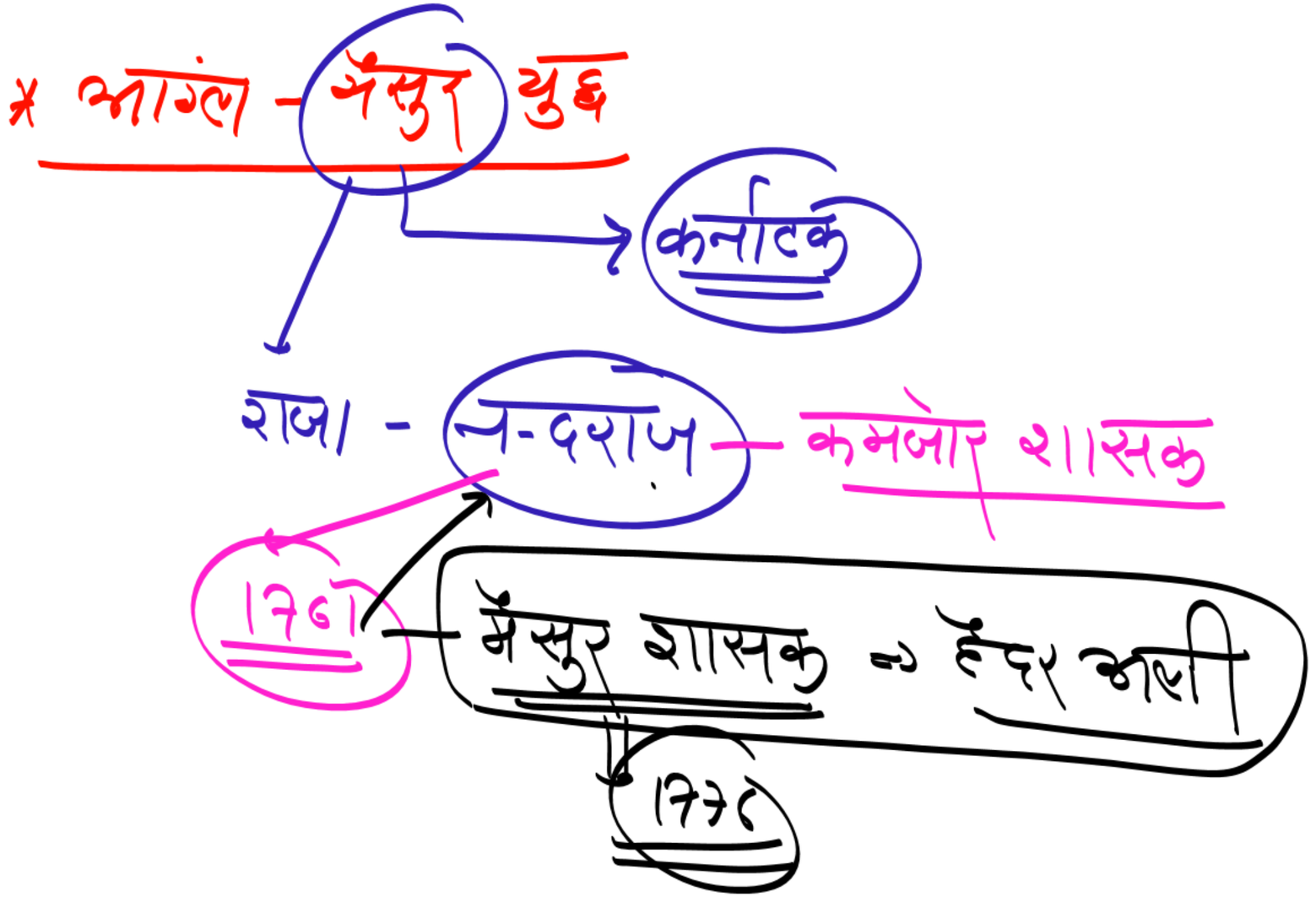

* आंग्ल - मैसूर युद्ध

मैसूर → कर्नाटक

राजा - नन्दराज - कमजोर शासक

1761 - मैसूर शासक → हैदर अली

1778

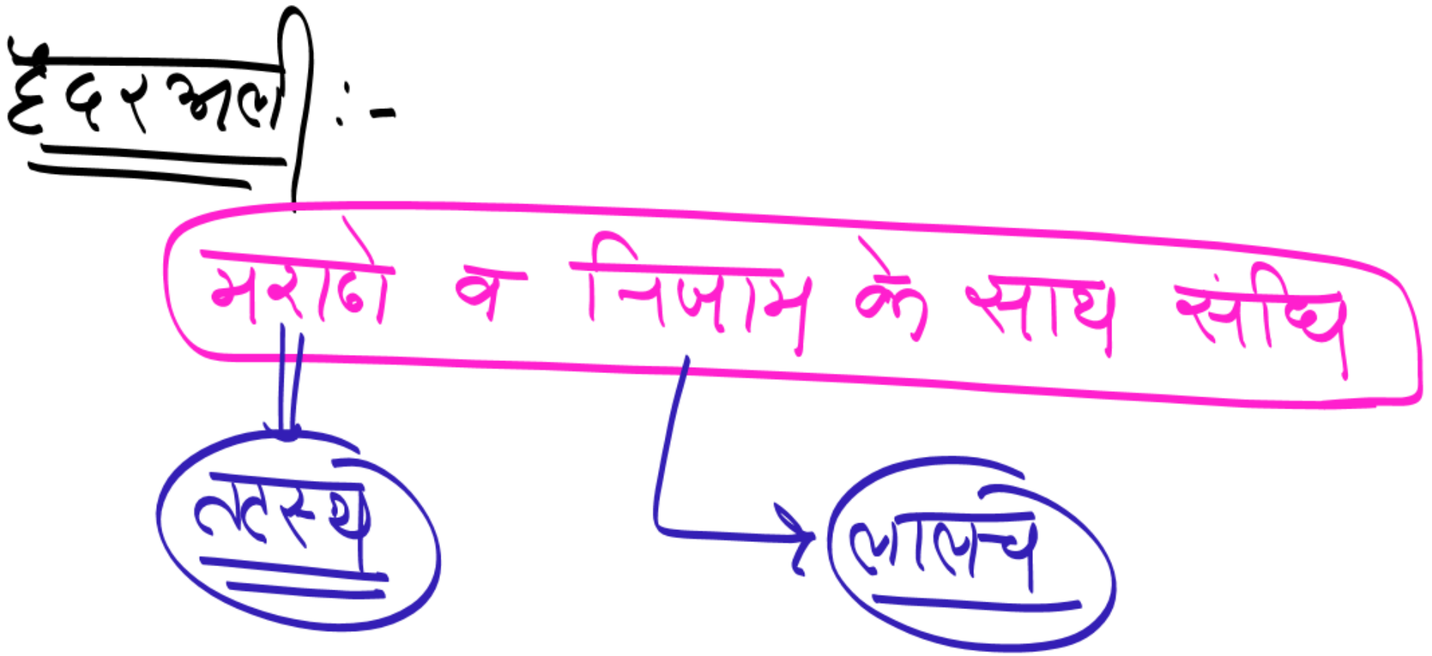
हैदराबाद :-
मराठे व निजाम के साथ संधि
तटस्थ
लालच

अंग्रेजो व मैसुर के मध्य प्रथम युद्ध

1767

→ हैदर अली ने अंग्रेजो पर आक्रमण कर दिया

हार :- अंग्रेजो की

संधि :- मद्रास की संधि

4 Apr. 1769

II - आंग्ल मैसूर युद्ध – 1780 – 1784

1782 ⇒ हैदर अली की मृत्यु

बना :- टीपू सुल्तान

परिणाम :- अनिर्णायक युद्ध

17 मार्च 1784 - मंगलौर की संधि

III - आंग्ल - मैसूर युद्ध (1790-1792)

कारण :-

कागनुर व आइकोट दुर्ग — कोचीन में स्थित डचों के दुर्ग

⇓

इन्हें टीपू खरीदना चाहता था।

→ ये दोनों दुर्ग त्रावणकोर के राजा ने खरीद लिए।

⇓ अंग्रेजों के पक्ष

1790 में टीपू ने त्रावणकोर पर आक्रमण कर दिया

के पश्च => कार्नवालिस सेना लेकर टीपू आक्रमण।

परिणाम :- टीपू की हार

संधि => २३ फरवरी 1792 => श्री रंगपट्टनम् की संधि

① आधा मैसूर का राज्य अंग्रेजो के पास ② टीपू ने 3 करोड रूपये अंग्रेजो को दीए।

4th आंग्ल - मैसुर युद्ध

लार्ड वेलेजली — सहायक संधि का प्रस्ताव

टीपू ने अस्वीकार

1791 ⇒ वेलेजली ने टीपू पर आक्रमण

1799 श्रीरंगपट्टनम का किला अंग्रेजो ने जीत लिया।

टीपू युद्ध मे मारा गया

मैसुर पर अंग्रेजो का अधिकार